विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -३१-०७ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज समास के बारे में अध्ययन करेंगे।

तत्पुरुष समास

जिस समास में दूसरा पद प्रधान होता है, उसे तत्पुरुष समास कहते हैं |

→ तत्पुरुष समास को बनाते समय शब्दों के बीच के कारक चिन्ह हटा दिए जाते हैं |

<u>जैसे</u> → पूजा के लिए घर = पूजाघर

तत्पुरुष समास के भेद

1. कर्म तत्पुरुष

2. करण तत्पुरुष

3. संप्रदान तत्पुरुष

4. अपादान तत्पुरुष

5. संबंध तत्पुरुष

6. अधिकरण तत्पुरुष

कर्म तत्पुरुष → "को"

<u>जैसे</u>–

समस्तपद – विग्रह

परलोकगमन – परलोक को गमन

धनप्राप्त – धन को प्राप्त

स्वर्गगामी – स्वर्ग को जाने वाला

करण तत्पुरुष → 'से', 'द्वारा'

समस्तपद – विग्रह

तुलसीकृत – तुलसी द्वारा कृत

मनचाहा – मन से चाहा

ईश्वरदत्त – ईश्वर द्वारा दिया हुआ

संप्रदान तत्पुरुष → "के लिए"

समस्तपद – विग्रह

परीक्षा-भवन – परीक्षा के लिए भवन

डाकघर – डाक के लिए घर

मालगाड़ी – माल के लिए गाड़ी

अपादान तत्पुरुष → "से" (अलग होने का भाव)

समस्तपद – विग्रह

देशनिकाला – देश से निकाला

बंधनमुक्त – बंधन से मुक्त

पापमुक्त – पाप से मुक्त

संबंध तत्पुरुष → का / की / के

समस्तपद – विग्रह

राजमहल – राजा का महल

गंगाजल – गंगा का जल

सूर्यपुत्र – सूर्य का पुत्र